Literacy for a Billion

Movie: Anmol Ghadi
Year: 1946

Song: Aawaz De Kahan Hai
Lyricist: Tanvir Naqvi

आवाज़ दे कहाँ है
दुनिया मेरी जवाँ है
आबाद मेरे दिल में
उम्मीद का जहाँ है
दुनिया मेरी जवाँ है
आवाज़ दे कहाँ है

आ रात जा रही है यूँ
जैसे चाँदनी की
बारात जा रही है

आ रात जा रही है यूँ
जैसे चाँदनी की
बारात जा रही है

चलने को अब फ़लक से
तारों का कारवाँ है
चलने को अब फ़लक से
तारों का कारवाँ है
ऐसे में तू कहाँ है
दुनिया मेरी जवाँ है

आवाज़ दे कहाँ है

क़िस्मत पे छा रही है क्यों
रात की सियाही
क़िस्मत पे छा रही है क्यों
रात की सियाही

वीराँ हैं मेरी नींदें
तारों से ले गवाही
वीराँ हैं मेरी नींदें
तारों से ले गवाही

बरबाद मैं यहाँ हूँ
आबाद तू कहाँ है
बरबाद मैं यहाँ हूँ
आबाद तू कहाँ है

बेदर्द आसमाँ है
दुनिया मेरी जवाँ है
आवाज़ दे कहाँ है
आवाज़ दे कहाँ है

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.